

कलमकार पुं. (तत्.) 1. लेखक 2. चित्रकार 3. लेखनी से कलात्मक या दस्तकारी का काम करने वाला।

कलमकारी स्त्री. (तत्.) 1. कलम की कारीगरी 2. लेखनी या कूची से दस्तकारी का काम, लेखन कार्य।

कलमख पुं. (तद्.) दे. कल्मष।

कलमदान पुं. (अर.+फा.) कलम रखने का पात्र जो लकड़ी या शीशे का बना हुआ होता है।

कलमना स.क्रि. (देश.) 1. टुकड़े कर देना 2. तराशना 3. पेड़-पौधे की कलम काटना।

कलमबंद वि. (अर.+फा.) लिपिबद्ध, लिखा हुआ, लिखित।

कलमलना/कलमलाना अ.क्रि. (अर.) अंगों का इधर-उधर से ज्यादा दब जाने के कारण आगे पीछे हिलना-डुलना जैसे- 'ज्यादा बोझ लदा होने से मेरे कंधे और गर्दन कलमलाने लगे थे' 2. कसमसाना 3. बेचैन होना 4. व्याकुल होना 5. तिलमिलाना 6. घबराना।

कलमष पुं. (तद्.) 1. पाप 2. गंदगी, मैल।

कलमा पुं. (अर.) 1. वचन, वाक्य 2. इस्लाम धर्म के अनुसार एक अरबी वाक्य जिसका भावार्थ है कि ईश्वर एक है और मुहम्मद उसका पैगंबर अर्थात् संदेश वाहक है मुहा. कलमा पढ़ना- मुसलमान बन जाना; कलमा पढ़ाना- मुसलमान बनाना।

कलमास वि. (तद्.) कल्माष, चितकबरा।

कलमी वि. (अर.) कलम संबंधी, कलम का 2. हाथ का लिखा हुआ 3. हस्तलिखित 4. वृक्ष की शाखा को काट करके लगाई जाने वाली कलम से उत्पन्न पौधे का फूल या फल उदा. "कलमी आम बहुत मीठा होता है"।

कलमी आम पुं. (अर.+तद्.) बंबइया, फ़ज़ली, मालदह आदि आमों की एक किस्म टि. यह आम दो प्रकार के पौधों की भिन्न जातियों के योग से बनता है।

कलमी शोरा पुं. (अर.+फा.) लंबे रवों वाला और साफ शोरा।

कलमुँहा वि. (देश.) 1. जिसका मुँह काला हो, काले मुँह वाला 2. कालिख के पुते हुए मुख वाला 3. कलंकित 4. लांछित 5. दुश्चरित्र।

कलरव पुं. (तत्.) 1. मधुर स्वर या ध्वनि 2. पक्षियों की चहचहाट जो कानों को प्रिय तथा मधुर लगती है उदा. "कलरव कर जाग पड़े मेरे ये मनोभाव" -प्रसाद-(कामायनी, इड़ा)।

कलमुँही वि. (देश.) 1. काले मुँह वाली 2. कलंकित 3. लांछित 4. दुश्चरिता।

कलरिन स्त्री. (देश.) कल्लर जाति की महिला (जौंक-लगाने वाली स्त्री)।

कलरिया पुं. (देश.) अरहर की फसल एवं बीज में लगने वाला एक कीड़ा।

कलल पुं. (तत्.) चिकि. गर्भ का प्रारंभिक रूप टि. यह 'कलन' का विकसित रूप है।

कलवादिता स्त्री. (तत्.) मधुर ध्वनि, मधुर तथा मनोहर ध्वनि या स्वर में की गई बातचीत।

कलवार पुं. (तद्.) शराब बनाने और बेचने का पेशा करने वाली एक जाति, कलाल।

कलवारिन स्त्री. (तद्.) कलाल जाति की स्त्री।

कलविंग पुं. (तद्.) कलवींक, गौरैया पक्षी, चटक उदा. "गगन में उड़ते कलविंग के" -अनूप शर्मा।

कलवीर पुं. (देश.) एक वृक्ष जिसकी जड़ रेशम पर पीला रंग चढ़ाने के काम आती है और यह भाँग के पौधे जैसा होता है।

कलश पुं. (तत्.) 1. मिट्टी तथा धातु आदि से बना हुआ घड़ा, कलसा 2. मंदिर के शिखर पर लगा हुआ घड़े के आकार का बड़ा कंगूरा वि. श्रेष्ठ जैसे कुल कलश।

कलस पुं. (तद्.) 'कलश' दे. कलश।

कलसभव पुं. (तद्.) अगस्त्य ऋषि।

कलसजोनि पुं. (तद्.) 'कलशयोनि' अगस्त्य मुनि (ऋषि), घटयोनि।